अध्याय XV

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग

इस्पात मंत्रालय

राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा तैयार किए गए वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2003-2004 के दौरान इस्पात मंत्रालय ने सरकारी कार्य में हिंदी का और अधिक प्रयोग करने के प्रयास जारी रखे।

मंत्रालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित कार्य संयुक्त सचिव के प्रशासनिक नियंत्रण में है और इसकी देख-रेख निदेशक द्वारा की जाती है। हिंदी अनुभाग में एक संयुक्त निदेशक, एक सहायक निदेशक, एक वरिष्ठ अनुवादक, तीन कनिष्ठ अनुवादक और दो अवर श्रेणी लिपिक हैं।

मंत्रालय में देवनागरी के 8 टाइपराइटर हैं, जिसमें एक द्विभाषी इलैक्ट्रॉनिक टाइपराइटर सम्मिलित हैं तथा सभी कम्प्यूटर द्विभाषी हैं। मंत्रालय के पुस्तकालय में हिंदी में पर्याप्त पठनीय सामग्री उपलब्ध है। इस्पात मंत्रालय में और मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। इन उपायों का ब्यौरा निम्नानुसार है :

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

मंत्रालय में संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति है। यह समिति मंत्रालय तथा इसके अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में हिंदी के प्रयोग में हुई प्रगति की समीक्षा करती है। समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। 31 मार्च 2004 तक इस समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

हिंदी सलाहकार समिति

इस्पात राज्य मंत्री की अध्यक्षता में मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का पुनर्गठन 7.3.2001 को किया गया था। वर्ष के दौरान इस समिति की बैठक 24 जुलाई 2003 को आयोजित की गई।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) का कार्यान्वयन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत आने वाले लगभग सभी दस्तावेज हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में तैयार किए जाते हैं। राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए और ''क'', ''ख'' और ''ग'' क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों को हिंदी में पत्र भेजना सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय में जांच-बिन्दु बनाए गए हैं।

राजभाषा शील्ड/ट्राफी

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों और कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्रालय

Untitled-4 115 9/30/04, 11:12 AM

द्वारा एक इस्पात राजभाषा शील्ड (प्रथम पुरस्कार) तथा एक इस्पात राजभाषा ट्रॉफी (द्वितीय पुरस्कार) और एक इस्पात राजभाषा ट्रॉफी (तृतीय पुरस्कार) प्रदान की जाती है। 'ग' क्षेत्र में स्थित सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को पृथक से एक शील्ड प्रदान की जाती है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष हिंदी में किए गए कार्य के वार्षिक निष्पादन के आधार पर कार्यालय/उपक्रमों को दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय में हिंदी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी को पदक से सम्मानित किया जाता है।

मूल कार्य हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना

मूल कार्य हिंदी में करने पर राजभाषा विभाग द्वारा लागू की गई नकद प्रोत्साहन योजना मंत्रालय में भी चलायी जा रही है।

हिंदी में श्रुतलेख - नकद पुरस्कार योजना

मंत्रालय में अधिकारियों द्वारा हिंदी में श्रुतलेख देने संबंधी एक प्रोत्साहन योजना चल रही है।

हिंदी में मौलिक पुस्तकें लिखने पर पुरस्कार

इस्पात उद्योग तथा इससे संबंधित विषयों पर हिंदी में तकनीकी पुस्तकें लिखने के लिए नकद पुरस्कार देने की भी एक योजना इस मंत्रालय में चलाई जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कारों के लिए पुरस्कार की राशि क्रमश: 15000/-, 10,000/-, और 7,500/- रुपये है।

हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा

मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को सरकारी काम में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए 14 सितंबर, 2003 को माननीय इस्पात राज्य मंत्री ने एक अपील जारी की। 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 2003 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं और हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

हिंदी/हिंदी टंकण/हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण

जिन कर्मचारियों को सेवाकालीन हिंदी/हिंदी टंकण/हिंदी आशुलिपि का प्रशिक्षण देना अनिवार्य है, उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कार्यक्रम बनाया गया है। कुल 179 अधिकारियों और कर्मचारियों (समूह ''घ'' के कर्मचारियों को छोड़कर) में से 178 को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान है। जहां तक हिंदी टंकण और हिंदी आशुलिपि का संबंध है, 28 अवर श्रेणी लिपिकों और 34 आशुलिपिकों में से क्रमश: 14 और 30 हिंदी टंकण और हिंदी आशुलिपि जानते हैं।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)

कंपनी भारत सरकार की राजभाषा नीति को कार्यान्वित करने प्रयास करती रही। एक ऐसा वातावरण सृजित करने पर बल दिया गया जिसमें कर्मचारी अपने कार्यालय संबंधी कार्य में स्वैच्छा से हिंदी अपनाए। सेल को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए शील्ड और कप प्रदान किए गए। राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) ने निगमित कार्यालय, आर एम डी, डी एस पी, बी एस

Untitled-4 116 9/30/04, 11:12 AM

एल, आर एस पी, आर डी सी आई एस तथा शाखा विक्रय कार्यालय, पटना को उनके निष्पादन के लिए पृथक-पृथक रूप से पुरस्कृत किया गया । कम्पनी की हिंदी गृह पत्रिका (इस्पात भाषा भारती) को दिल्ली सरकार तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली द्वारा प्रथम पुरस्कार दिया गया। आर डी सी आई एस, रांची द्वारा हिंदी में एक उच्च स्तरीय तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया गया।

इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (इस्को)

वर्ष के दौरान कंपनी सरकार की राजभाषा नीति को कड़ाई से कार्यान्वित करती रही। कार्यालय का कार्य हिंदी में करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया तथा उदार प्रोत्साहन दिए गए। वर्ष के दौरान राजभाषा पखवाड़ा और हिंदी कार्यशाला तथा हिंदी में तकनीकी लेखन पर सेमिनार तथा स्कूल के बच्चों के लिए हिंदी कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई। कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोतिगताओं में भाग लेने वाले कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल)

विशाखापट्नम इस्पात संयंत्र में हिंदी का कार्यान्वयन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। संयंत्र में हिंदी का प्रचार करने और हिंदी में काम करने के लिए कर्मचारियों के लिए वातावरण सृजित करने के लिए हिन्दी कक्ष विभिन्न कार्यक्रम जैसे हिंदी कार्यशाला, हिंदी सेमिनार आदि आयोजित करता है। प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह में हिंदी माह मनाया जाता है। इस अवसर पर कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं।

हिंदी कक्ष द्वारा एक तिमाही हिंदी गृह पत्रिका ''सुगंध'' प्रकाशित की जा रही है। स्थाई शीर्षकों के अतिरिक्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों द्वारा लिखित लेख भी, इस पत्रिका में प्रकाशित किए जाते हैं। विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के निमंत्रण पत्र द्विभाषी रूप में ही छपवाने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में निर्णय लिया गया है। इस प्रयोजन के लिए निगमित संचार विभाग को जांच-बिन्दु बनाया गया है।

वी एस पी के सभी टंकक हिंदी टंकण में प्रशिक्षित हैं। अब कम्प्यूटरों का उपयोग बढ़ गया है। इसलिए वी एस पी के लगभग सभी कम्प्यूटरों में ''शुशा फान्ट'' लोड कर दिया गया है और कम्प्यूटरों पर हिंदी में काम करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक, इन कार्यक्रमों में लगभग 196 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

वी एस पी के विभिन्न विभागों द्वारा प्रयोग किए जा रहे प्रपत्रों को द्विभाषी कर लिया गया है। संसदीय समितियों को समय-समय पर प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्टें भी द्विभाषी रूप में तैयार की जाती हैं। भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार उपरोक्त के अतिरिक्त राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) का पालन किया जा रहा है। हिंदी द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वी एस पी के शाखा कार्यालयों और विभिन्न विभागों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है।

Untitled-4 117 9/30/04, 11:12 AM

नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (एन एम डी सी)

वर्ष के दौरान कम्पनी सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन करती रही। अपना सरकारी कार्य हिंदी में करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया और इस प्रकार के कार्यों के लिए उदार प्रोत्साहन दिए गए। वर्ष के दौरान राजभाषा पखवाड़ा समारोह, हिंदी कार्यशाला और हिंदी में तकनीकी लेख पर सेमिनार आयोजित किए गए और स्कूल के बच्चों के लिए हिंदी कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई। कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं, विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए।

कुद्रेमुख आयरन ओर कम्पनी लिमिटेड (के आई ओ सी एल)

कम्पनी राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के संबंध में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा इस्पात मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों का पालन करती है।

कर्मचारियों को हिन्दी प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकार के निदेशों के अनुरूप नकद पुरस्कार तथा प्रोत्साहन दिए जाते हैं। हिन्दी कार्यशालाएं तथा उन्मुखी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं ताकि जागरुकता लाई जा सके और कर्मचारियों को अपना सरकारी कार्य हिन्दी में करने के लिए जानकारी दी जा सके और उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। जो कर्मचारी अपना सरकारी कार्य हिन्दी में करते हैं उन्हें नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। राजभाषा एवं प्रबंधन संस्थान ने मई 2003 में कम्पनी को राजभाषा शील्ड प्रदान की। कम्पनी में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल द्वारा कम्पनी को राजभाषा शील्ड प्रदान की गई।

मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड (मॉयल)

हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग तथा राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के निगमित कार्यालय में महाप्रबंधक (कार्मिक) के प्रशासनिक नियन्त्रणाधीन कार्यरत हिंदी कक्ष द्वारा प्रभावी उपाय किए गए हैं। हिंदी के प्रयोग को सभी स्तरों पर प्रोत्साहित करने के लिए 14 सितम्बर से आयोजित किए जाने वाले ''हिंदी पखवाड़े'' के दौरान अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं और विजेताओं को उपयुक्त पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। जो कर्मचारी हिंदी में प्रवीणता प्राप्त नहीं हैं उन्हें हिंदी सीखने के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कम्पनी के 80% से अधिक कर्मचारियों को हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त है।

लगातार 10 वर्षों तक चल-वैजयन्ती पुरस्कार प्राप्त करने पर चल-वैजयन्ती स्थाई रूप से कम्पनी को दे दी गई है। वर्ष 2001-02 के लिए ''ख'' क्षेत्र के सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के लिए कम्पनी को सहस्राब्दि शील्ड भी प्राप्त हुई। कम्पनी को नगर राजभाषा कार्यान्वचयन समिति द्वारा प्रदान किया गया प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। कम्पनी की गृह पत्रिका मॉयल समाचार को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा वर्ष 2001-02 के लिए सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

Untitled-4 118 9/30/04, 11:12 AM

स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल)

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अनुसार 1.1.2003 से 31.3.2004 के दौरान 147 दस्तावेज द्विभाषी रूप में जारी किए गए।

वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं। इस अवधि के दौरान राजभाषा नियम के नियम 8 (4) के तहत हिंदी में सरकारी काम करने के लिए दो अनुभागों को अधिसूचित किया गया। इस्पात मंत्रालय के निरीक्षण दल ने हिन्दी के प्रगामी प्रयोग का निरीक्षण किया और कार्यान्वयन को अधिक प्रभावी रूप से करने के लिए सुझाव दिए।

फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल)

कम्पनी राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संबंध में सरकार के सभी निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करती है। कंपनी में हिंदी दिवस मनाया जाता है तथा विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे हिंदी निबंध लेखन, हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है तथा विजेताओं को पुरस्कार दिए जाते हैं। हिंदी टिप्पण/प्रारूपण तथा हिंदी टंकण के लिए वार्षिक नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं।

मेकॉन लिमिटेड

वर्ष के दौरान कार्यालयी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित करने हेतु विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए गए। मेकॉन मुख्यालय और अन्य कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन पूरे उत्साह से किया जा रहा है।

हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. (एचएससीएल)

राजभाषा विभाग, भारत सरकार की राजभाषा नीति और कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में कम्पनी के लिए विभिन्न प्रयास किए हैं। निगमित कार्यालय तथा इकाई स्तर पर आवधिक रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित करने के अतिरिक्त कंपनी ने सभी स्तरों पर टिप्पण और आलेखन में हिंदी का प्रयोग करने हेतु अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रोत्साहित करने का व्यापक अभियान चलाया। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के संबंध में सरकारी दिशा निर्देशों का पालन किया जा रहा है। हिन्दी दिवस और हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। सरकारी कार्य में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए 2000-2001 के लिए इन्दिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार की श्रेणी ''ग'' के लिए एच एस सी एल को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड (बी आर एल)

राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नीति के अनुसार राजभाषा हिन्दी के अधिकतम उपयोग पर कम्पनी बल देती रही।

Untitled-4 119 9/30/04, 11:12 AM